

LE-944
LL.B. PART THREE (II SEM.) (NEWCOURSE)
Examination JULY-AUG. 2022
Compulsory/Optional

Group-
Paper-

Name/Title of Paper- TRANSFER OF PROPERTY ACT AND EASEMENT ACT

Time:- Three Hours

Maximum Marks- 100

Minimum Passing Marks- 036

नोट:-किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note- Attempt any five questions. All questions carry equal marks.

1. "संपत्ति अंतरण अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक प्रकार की संपत्ति अंतरित की जा सकती है।" इस कथन की अपवाद सहित व्याख्या कीजिये।
"Any kind of property can be transfer under transfer of property act."
Explain this statement with exceptions.
2. शाश्वता के विरुद्ध नियम क्या है? उदाहरण देकर समझाइये।
What is rule against perpetuity? Explain by giving examples.
3. विक्रय को परिभाषित कीजिये। क्रेता एवं विक्रेता के अधिकार का उल्लेख कीजिये।
Define Sale. Explain the rights and liabilities of Buyer and Seller.
4. पट्टे से आप क्या समझते हैं? पट्टे कितने प्रकार के होते हैं? पट्टे और अनुशास्ति में अंतर स्पष्ट कीजिये।
What do you mean by lease? How many types of lease are these? Clarify the differences between lease and license?
5. विनिमय में दोनों पक्षों के अधिकार तथा कर्तव्यों की व्याख्या कीजिये।
Explain rights and liability of parties to an exchange?
6. "एक बार बंधक सर्वदा बंधक है" उपरोक्त कथन की विवेचना कीजिये और बन्धककर्ता के मोचन के अधिकार की व्याख्या कीजिये।
"Once a mortgage always a mortgage". Discuss the above statement and describe the right of redemption of mortgagor.
7. एक विधि मान्य दान के आवश्यक तत्व क्या है? स्पष्ट कीजिये।
What are essential elements of a valid gift? Explain.
8. सुधाधिकार के आवश्यक तत्वों की विवेचना कीजिये। अनुदान द्वारा इसे कौन सृजित कर सकता है?
Discuss the essential features of easementary right. Who can create it by grant?
9. किन परिस्थितियों में सुधाधिकार का अंत होता है? विस्तृत विवेचना कीजिये।
Discuss the circumstances which bring about the extinction easement?
10. मुरारीलाल बनाम देवकरन ए.आई.आर. 1965 एस.सी. 225 के तथ्य, निर्माण एवं विधि के सिद्धांतों का उल्लेख कीजिये।
State the facts judgment and principles of law laid down in the case of Murarilal V/s Devkaran A.I.R. 1965 S.C. 225.